CBSE Class 12 हिंदी कोर

Sample Paper 03 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब। खंड-अ में वस्तुपरक तथा खंड-ब में वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।

ii. खंड-अ में कुल 6 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

iii. खंड-ब में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

जहाँ बैठ के यह लेख लिख रहा हूँ उसके आगे-पीछे, दायें-बायें, शिरीष के अनेक पेड़ हैं। जेठ की जलती धूप में, जबकि धरित्री निर्धूम अग्निकुण्ड बनी हुई थी, शिरीष नीचे से ऊपर तक फूलों से लद गया था। कम फूल इस प्रकार की गर्मी में फूल सकने की हिम्मत करते हैं। कर्णिकार और आरग्वध (अमलतास) की बात मैं भूल नहीं रहा हूँ। वे भी आसपास बहुत हैं। लेकिन शिरीष के साथ आरग्वध की तुलना नहीं की जा सकती। वह पन्द्रह-बीस दिन के लिए फूलता है, वसन्त ऋतु के पलाश की भाँति।

कबीरदास को इस तरह पन्द्रह दिन के लिए लहक उठना पसन्द नहीं था। यह भी क्या कि दस दिन फूले और फिर खंखड़-के-खंखड़- 'दिन दस फूला फूलिके खंखड़ भया पलास'! ऐसे दुमदारों से तो लँडूरे भले। फूल है शिरीष। वसन्त के आगमन के साथ लहक उठता है, आषाढ़ तक तो निश्चित रूप से मस्त बना रहता है। मन रम गया तो भरे भादों में भी निर्घात फूलता रहता है। जब उमस से प्राण उबलता रहता है और लू से हृदय सूखता रहता है, एकमात्र शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का मन्त्रप्रचार करता रहता है। यद्यपि कवियों की भाँति हर फूल-पत्ते को देखकर मुग्ध होने लायक हृदय विधाता ने नहीं दिया है, पर नितान्त ठूँठ भी नहीं हूँ। शिरीष के पुष्प मेरे मानस में थोड़ा हिल्लोल जरूर पैदा करते हैं।

I. कौन सा फूल केवल पंद्रह-बीस दिन के लिए फूलता है?

i. शिरीष

ii. अमलतास

iii. कर्णिकार

iv. बकुल

II. शिरीष के फूल किस महीने तक फूलते हैं?

i. आषाढ़

ii. वसंत

iii. सावन

iv. भादो

III. **दिन दस फूला फूलिके खंखड़ भया पलास** यह पंक्ति किसकी है?

i. लेखक

ii. कालिदास

iii. तुलसीदास

iv. कबीरदास

IV. कर्णिकार और आरग्वध क्या हैं?

i. फल

ii. वृक्ष

iii. फूल

iv. पत्ते

V. आरग्वध की तुलना किससे की गई है?

i. शिरीष

ii. पलाश

iii. अमलतास

iv. शिरीष

VI. शिरीष का फूल कब खिलता है?

i. ग्रीष्म ऋतु में

ii. शरद ऋतु में

iii. वसंत ऋतु में

iv. आषाढ़ में

VII. **खंखड़** शब्द का क्या अर्थ है?

i. ठूँठ

ii. स्वच्छ

iii. चिकना

iv. पूँछ

VIII. कबीरदास को किस फूल का खिलना पसंद नहीं था?

i. पलाश

ii. शिरीष

iii. अमलतास

iv. कनेर

IX. लेखक ने अवधूत किसे कहा है?

i. कबीर को

ii. वसंत को

iii. धरती को

iv. शिरीष को

X. **हिल्लोल** शब्द का क्या अर्थ है?

i. झरना

ii. फूल

iii. लहर

iv. झूला

OR

बड़ी कठिन समस्या है। झूठी बातों को सुनकर चुप हो कर रहना ही भले आदमी की चाल है, परंतु इस स्वार्थ और लिप्सा के जगत में जिन लोगों ने करोड़ों के जीवन-मरण का भार कंधे पर लिया है वे उपेक्षा भी नहीं कर सकते। ज़रा सी गफलत हुई कि सारे संसार में आपके विरुद्ध ज़हरीला वातावरण तैयार हो जाएगा। आधुनिक युग का यह एक बड़ा भारी अभिशाप है कि गलत बातें बड़ी तेजी से फैल जाती हैं।

समाचारों के शीघ्र आदान-प्रदान के साधन इस युग में बड़े प्रबल हैं, जबकि धैर्य और शांति से मनुष्य की भलाई के लिए सोचने के साधन अब भी बहुत दुर्बल हैं। सो, जहाँ हमें चुप होना चाहिए, वहाँ चुप रह जाना खतरनाक हो गया है। हमारा सारा साहित्य नीति और सच्चाई का साहित्य है। भारतवर्ष की आत्मा कभी दंगा-फसाद और टंटे को पसंद नहीं करती परंतु इतनी तेज़ी से कूटनीति और मिथ्या का चक्र चलाया जा रहा है कि हम चुप नहीं बैठ सकते।

अगर लाखों-करोड़ों की हत्या से बचना है तो हमें टंटे में पड़ना ही होगा। हम किसी को मारना नहीं चाहते पर कोई हम पर अन्याय से टूट पड़े तो हमें ज़रूर कुछ करना पड़ेगा। हमारे अंदर हया है और अन्याय करके पछताने की जो आदत है उसे कोई हमारी दुर्बलता समझे और हमें सारी दुनिया के सामने बदनाम करे यह हमसे नहीं सहा जाएगा। सहा जाना भी नहीं चाहिए। सो, हालत यह है कि हम सच्चाई और भद्रता पर दृढ़ रहते हैं और ओछे वाद-विवाद और दंगे-फसादों में नहीं पड़ते। राजनीति कोई अजपा-जाप तो है नहीं।

यह स्वार्थों का संघर्ष है। करोड़ों मनुष्यों की इज्जत और जीवन-मरण का भार जिन्होंने उठाया है वे समाधि नहीं लगा

सकते। उन्हें स्वार्थों के संघर्ष में पड़ना ही पड़ेगा और फिर भी हमें स्वार्थी नहीं बनना है।

क) लेखक ने कठिन समस्या किसे माना है ?

1. अफवाहों के दौर में शांत रहना |
2. अफवाहों के दौर में चंचल होना |
3. संघर्ष के दौर में शांत रहना |
4. संघर्ष के दौर में चंचल रहना |

ख) राजनीति अफवाहों के जरिए क्या करवाती है ?

1. लाभ
2. दंगे
3. उत्सव
4. पर्व

ग) आधुनिक युग का अभिशाप किसे माना गया है ?

1. भलाई के साधनों को |
2. गलत बातों का प्रचार प्रसार |
3. सही बातों का प्रचार प्रसार |
4. राजनीति को |

घ) चुप रहना खतरनाक कब हो जाता है ?

1. जब गलत प्रचार होता है |
2. जब सही प्रचार होता है |
3. जब सही - गलत प्रचार होता है |
4. जब भलाई का प्रचार होता है |

ड) लेखक ने संघर्ष करना आवश्यक क्यों माना है ?

1. जन के लाभ से बचने के लिए
2. जन की हानि से बचने के लिए
3. स्वार्थ को दूर करने के लिए
4. परहित को दूर करने के लिए

च) हमारा सारा साहित्य किसका साहित्य है ?

1. केवल नीति का
2. केवल सच्चाई का
3. नीति और सच्चाई का
4. प्रबलता का

छ) कौनसे साधन अब भी दुर्बल हैं ?

1. मनुष्य की भलाई को सोचने के
2. मनुष्य के स्वार्थ को सोचने के
3. मनुष्य के अहित को सोचने के
4. दूसरों के विवाद को सोचने के

ज) हम किस पर दृढ़ रहते हैं ?

1. केवल सच्चाई पर
2. केवल भद्रता पर
3. सच्चाई और भद्रता पर
4. केवल नीति पर

झ) 'आदान - प्रदान' में प्रयुक्त समास है ?

1. कर्मधारय समास
2. द्वंद्व समास
3. द्विगु समास
4. तत्पुरुष समास

ञ) गद्यांश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक होगा -

1. अन्याय का प्रतिकार
2. न्याय का प्रतिकार
3. सत्य का प्रतिकार
4. अहिंसा का प्रतिकार

2. पथ भूल न जाना पथिक कहीं
   पथ में काँटे तो होंगे ही
   दूर्वादल सरिता सर होंगे
   सुंदर गिरी वन वापी होंगे

सुन्दरता की मृगतृष्णा में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं |
जब कठिन कर्म पगडंडी पर
राही का मन मनुन्मुख होगा
जब सपने सब मिट जाएँगे
कर्तव्य मार्ग सन्मुख होगा
तब अपनी प्रथम विफलता में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं

क) पथिक क्यों भटक सकता है ?

i. जानकारी के अभाव में
ii. सुन्दरता के आकर्षण में
iii. थकान के कारण
iv. जंगल के घनेपन के कारण

ख) जंगली मार्ग में काँटों के साथ - साथ और क्या होता है ?

i. पत्थर
ii. पशु - पक्षी
iii. वन-तालाब और सुंदर दृश्य
iv. हरीतिमा

ग) 'कर्म पगडंडी' किसे कहा गया है ?

i. जीवन की उलझनों को
ii. जीवन की मुश्किलों को
iii. जीवन की कठोर साधना को
iv. जीवन की सुविधाओं को

घ) 'कठिन कर्म पगडंडी' में अलंकार है -

i. अनुप्रास
ii. रूपक
iii. उपमा
iv. श्लेष

ड) प्रथम विफलता का भाव है -

i. पहली सफलता
ii. पहली बार ही संतुष्ट हो जाना
iii. पहले - पहल काम न बनना
iv. पहले - पहल चकित हो जाना

OR

निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

शांत स्निग्ध, ज्योत्स्ना उज्ज्वल!
अपलक अनंत, नीरव भू-तल!
सैकत-शय्या पर दुग्ध-धवल, तन्वंगी गंगा, ग्रीष्म-विरल,
लेटी हैं श्रान्त, क्लान्त, निश्चल!
तापस-बाला गंगा, निर्मल, शशि-मुख से दीपित मृदु-करतल,
लहरे उर पर कोमल कुंतल।
गोरे अंगों पर सिहर-सिहर, लहराता तार-तरल सुन्दर
चंचल अंचल-सा नीलांबर!
साड़ी की सिकुड़न-सी जिस पर, शशि की रेशमी-विभा से भर,
सिमटी हैं वर्तुल, मृदुल लहर।

चाँदनी रात का प्रथम प्रहर,
हम चले नाव लेकर सत्वर।
सिकता की सस्मित-सीपी पर, मोती की ज्योत्स्ना रही विचर,
लो, पालें चढ़ीं, उठा लंगर।
मृदु मंद-मंद, मंथर-मंथर, लघु तरणि, हंसिनी-सी सुन्दर
तिर रही, खोल पालों के पर।
निश्चल-जल के शुचि-दर्पण पर, बिम्बित हो रजत-पुलिन निर्भर
दुहरे ऊँचे लगते क्षण भर।
कालाकाँकर का राज-भवन, सोया जल में निश्चिंत, प्रमन,
पलकों में वैभव-स्वप्न सघन।

नौका से उठतीं जल-हिलोर,
हिल पड़ते नभ के ओर-छोर।

विस्फारित नयनों से निश्चल, कुछ खोज रहे चल तारक दल
ज्योतित कर नभ का अंतस्तल,
जिनके लघु दीपों को चंचल, अंचल की ओट किये अविरल
फिरतीं लहरें लुक-छिप पल-पल।
सामने शुक्र की छवि झलमल, पैरती परी-सी जल में कल,
रुपहरे कचों में ही ओझल।
लहरों के घूँघट से झुक-झुक, दशमी का शशि निज तिर्यक्-मुख
दिखलाता, मुग्धा-सा रुक-रुक।

अब पहुँची चपला बीच धार,
छिप गया चाँदनी का कगार।
दो बाहों-से दूरस्थ-तीर, धारा का कृश कोमल शरीर
आलिंगन करने को अधीर।
अति दूर, क्षितिज पर विटप-माल, लगती भ्रू-रेखा-सी अराल,
अपलक-नभ नील-नयन विशाल;
मा के उर पर शिशु-सा, समीप, सोया धारा में एक द्वीप,
ऊर्मिल प्रवाह को कर प्रतीप;
वह कौन विहग? क्या विकल कोक, उड़ता, हरने का निज विरह-शोक?
छाया की कोकी को विलोक?

पतवार घुमा, अब प्रतनु-भार,
नौका घूमी विपरीत-धार।
ड़ाँड़ों के चल करतल पसार, भर-भर मुक्ताफल फेन-स्फार,
बिखराती जल में तार-हार।
चाँदी के साँपों-सी रलमल, नाँचतीं रश्मियाँ जल में चल
रेखाओं-सी खिंच तरल-सरल।
लहरों की लतिकाओं में खिल, सौ-सौ शशि, सौ-सौ उडु झिलमिल
फैले फूले जल में फेनिल।
अब उथला सरिता का प्रवाह, लग्गी से ले-ले सहज थाह
हम बढ़े घाट को सहोत्साह।

ज्यों-ज्यों लगती है नाव पार
उर में आलोकित शत विचार।

इस धारा-सा ही जग का क्रम, शाश्वत इस जीवन का उद्‌गम,
शाश्वत है गति, शाश्वत संगम।
शाश्वत नभ का नीला-विकास, शाश्वत शशि का यह रजत-हास,
शाश्वत लघु-लहरों का विलास।
हे जग-जीवन के कर्णधार! चिर जन्म-मरण के आर-पार,
शाश्वत जीवन-नौका-विहार।
मै भूल गया अस्तित्व-ज्ञान, जीवन का यह शाश्वत प्रमाण
करता मुझको अमरत्व-दान।

01. प्रस्तुत काव्यांश में किसका वर्णन है ?

(क) प्रकृति का

(ख) नौका विहार का

(ग) गंगा का

(घ) रात्रि का

02. कवि ने किसे तपस्विनी कहा है ?

(क) गंगा को

(ख) नदी को

(ग) रात्रि को

(घ) प्रकृति को

03. **तन्वंगी** शब्द का क्या अर्थ है ?

(क) युवती

(ख) छरहरी

(ग) गंगा

(घ) नदी

04. कवि ने किसे शिशु के समान बताया है ?

(क) दीपों को

(ख) पतवार को

(ग) द्वीप को

(घ) चंद्रमा को

05. **मा के उर पर शिशु-सा** पंक्ति में निहित अलंकार क्या है ?

(क) अनुप्रास

(ख) रुपक

(ग) मानवीकरण

(घ) उपमा

3. कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।

a. समाचार बनने की संभावना तब बढ़ जाती है, जब उनमें

   a. जनरुचि

   b. तथ्यात्मकता

   c. सभी

   d. नवीनता

b. _____ सिद्धांत समाचार लेखन का बुनियादी सिद्धांत है।

   a. त्रिकोण

   b. रेखा

   c. वृत

   d. उल्टा पिरामिड

c. वह जो समाचार के चित्र नहीं आने तक दर्शकों को रिपोर्टर से मिली जानकारी के आधार पर घटना से संबंधित सूचना देता है, कहलता है-

   a. विजुअल एंकर-पैकेज

   b. एंकर-पैकेज

   c. बाइट एंकर

   d. ड्राई एंकर

d. किसी भी समाचार पत्र में सर्वाधिक पढ़े जाने वाले पृष्ठ कौन से होते हैं?

   a. देश-विदेश

b. अर्थ और खेल

c. मुख्य पृष्ठ

d. अपना शहर

e. भारत में हर साल इंटरनेट कनेक्शनों की संख्या कितनी बढ़ती है?

a. 50-55%

b. 25-30 %

c. 40-50 %

d. 45-50 %

4. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी
रह-रह के हवा में जो लोका-देती है
गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी

I. काव्यांश में **रह-रह के** में कौन सा अलंकार है?
   i. उपमा अलंकार
   ii. पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार
   iii. वक्रोक्ति अलंकार
   iv. अनुप्रास अलंकार

II. काव्यांश के भाषा की क्या विशेषता है?
   i. रस का प्रयोग
   ii. बिम्ब
   iii. तुकांतता
   iv. सहजता

III. काव्यांश में श्रव्य बिम्ब का एक उदाहरण बताइए।
   i. हवा में लोकाती
   ii. चाँद का टुकड़ा
   iii. हँसी की खिलखिलाहट
   iv. गोद भरी

IV. काव्यांश में कौन सा छंद प्रयोग किया गया है?

i. रुबाई

ii. कवित्त

iii. सवैया

iv. दोहा

V. **आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी** पंक्ति में चाँद का टुकड़ा किसे कहा गया है?

i. माँ को

ii. चाँद को

iii. बच्चे को

iv. चाँद की परछाई को

5. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है और जो नही जानते कि वे क्या चाहते है, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व मे अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति (शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति) ही बाज़ार को देते है। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते है, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते है। वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते है। जिसका मतलब है कि कपट बुढ़ाते है। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर सद्भाव की घटी।

I. 'बाज़ार का बाज़ारूपन' से लेखक का क्या अभिप्राय है?

i. कपट बढ़ाना

ii. सद्भाव घटाना

iii. अविश्वास बढ़ाना

iv. कपट के बढ़ने से सद्भाव का घटना

II. बाजार को सार्थकता कौन दे सकता है?

i. जरूरतमंद व्यक्ति

ii. धनवान व्यक्ति

iii. जिज्ञासु व्यक्ति

iv. स्वार्थी व्यक्ति

III. पर्चेजिंग पावर क्या है?

i. क्रयशक्ति

ii. विक्रय शक्ति

iii. बाजार घूमना

iv. बाजार देखना

IV. पर्चेजिंग पावर से बाज़ार का अहित कैसे होता है?

i. बाजारूपन का बढ़ना

ii. महँगाई बढ़ना

iii. भ्रम फैलना

iv. छल-कपट बढ़ना

V. विनाशक,शैतानी क्रय शक्ति का जन्म बाजार में कब होता है?

i. धन खर्चने से

ii. दिखावा करने से

iii. गर्व भावना से

iv. गर्व से युक्त होकर फिजूलखर्च करने पर

6. निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:

a. यशोधर पंत अपनी नौकरी में किस पद पर थे?

a. सेक्शन ऑफिसर

b. क्लर्क

c. चपरासी

d. कुछ नहीं

b. यशोधर पंत के ऑफिस में असिस्टेंट ग्रेड में नया कौन आया था?

a. चड्ढा

b. वाई० डी०

c. किशनदा

d. मेनन

c. कोल्हू से क्या मिलता था? **[जूझ]**

a. ईख

b. गुड़

c. तेल

d. फसल

d. लेखक के पिता के अनुसार खेलना और सिनेमा देखना कैसी आदतें हैं ? **[जूझ]**

a. पढ़ाई से भी अच्छी

b. बहुत जरूरी

c. सही

d. गलत

e. मुअनजो-दड़ो किस काल का एक शहर है? **[अतीत में दबे पाँव]**

a. पाषाण काल

b. आदि काल

c. ताम्र काल

d. आधुनिक काल

f. मोहनजोदड़ो के सबसे ऊंचे चबूतरे पर क्या है? **[अतीत में दबे पाँव]**

a. कमरें

b. बौद्ध स्तूप

c. आकाश

d. रसोई

g. दुनिया की प्राचीन सभ्यता होने के भारत के दावे को _____ का वैज्ञानिक आधार मिल गया। **[अतीत में दबे पाँव]**

a. इतिहास

b. विज्ञान

c. समाज

d. पुरातत्व

h. **डायरी के पन्ने** पाठ में लेखिका के पिता को कहाँ से बुलावा आया था?

a. अस्पताल

b. पुलिस चौकी

c. मिस्टर वान दान

d. ए० एस० एस०

i. **डायरी के पन्ने** पाठ के अनुसार लेखिका के लिए दूसरा सदमा क्या था?

a. माता का बुलावा

b. मार्गोट का बुलावा

c. पिता का बुलावा

d. युद्ध

j. स्मृतियाँ मेरे लिए पोशाकों की तुलना में ज़्यादा मायने रखती हैं।
प्रस्तुत कथन किसका है? **[डायरी के पन्ने]**

a. मार्गोट

b. ऐन फ्रैंक

c. मिस्टर वान दान

d. हैलो

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लिखिये:

a. **मोबाइल फोन बिना सब सूना** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

b. **बेरोजगारी का दानव** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

c. **सत्संगति** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

8. ग्रीष्मावकाश में आप भुवनेश्वर, पुरी आदि जाना चाहते हैं। इस संदर्भ में ओडिशा के दर्शनीय स्थलों, परिवहन, आवास के बारे में वित्त सूचना माँगने के लिए प्रबंधक, ओडिशा पर्यटन विकास निगम, भुवनेश्वर को पत्र लिखिए।

OR

आप जिस क्षेत्र में रहती/रहते हैं, वहाँ अभी तक डाकघर नहीं खुला है। डाकघर खोलने के लिए अनुरोध करते हुए हिंदुस्तान दैनिक के पाठकों के पत्र स्तंभ के लिए पत्र लिखिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

   a. कहानी का नाट्य- रूपांतरण करते समय किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए?

      OR

      कविता के किन प्रमुख घटको का ध्यान रखना चाहिए?

   b. कहानी लेखन में कथानक के पत्रों का संबंध स्पष्ट कीजिए।

      OR

      कहानी के तत्वों की पुष्टि करे।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

   a. विशेष लेखन करने वाले विषय विशेषज्ञों की विशेषताएँ लिखिए।

      OR

      इंटरनेट पत्रकारिता क्या है ?

   b. समाचार शब्द को परिभाषित कीजिए।

      OR

      लोकतंत्र का चौथाखंभा किसे कहा जाता है और क्यों?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

   a. **कैमरे में बंद अपाहिज** शीर्षक की उपयुक्तता को सिद्ध कीजिए।

   b. **उषा** कविता के आधार पर उस जादू को स्पष्ट कीजिए जो सूर्योदय के साथ टूट जाता है।

   c. कुंभकरण के द्वारा पूछे जाने पर रावण ने अपनी व्याकुलता के बारे में क्या कहा और कुंभकरण से क्या सुनना पड़ा?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

   a. **सहर्ष स्वीकारा है** कविता किसको व क्यों स्वीकारने की प्रेरणा देती है?

   b. फिराक गोरखपुरी की रुबाइयों में ग्रामीण अंचल के घरेलू रूप की स्वाभाविकता और सात्विकता के अनूठे चित्र चित्रित हुए हैं –पाठ्यपुस्तक में संग्रहीत रुबाइयों के आधार पर उत्तर दीजिए।

c. लक्ष्मण के मुर्च्छित होने पर राम क्या सोचने लगे?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

a. भक्तिन की पारिवारिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

b. **पानी दे, गुड़धानी दे** मेघों से पानी के साथ-साथ गुड़धानी की माँग क्यों की जा रही है?

c. जाति और श्रम विभाजन में बुनियादी अंतर क्या है? **श्रम विभाजन और जाति प्रथा** के आधार पर उत्तर दीजिए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

a. बाज़ार दर्शन पाठ के आधार पर बताइए कि पैसे की पावर का रस किन दो रूपों में प्राप्त किया जाता है?

b. गाँव में महामारी फैलने और अपने बेटों के देहांत के बावजूद लुट्टन पहलवान ढोल क्यों बजाता रहा?

c. जब सफ़िया अमृतसर पुल पर चढ़ रही थी तो कस्टम ऑफिसर निचली सीढ़ी के पास सिर झुकाए चुपचाप क्यों खड़े थे?

12 Hindi Core SP·03

Class 12 - हिंदी कोर

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (ii) अमलतास
   II. (i) आषाढ़
   III. (iv) कबीरदास
   IV. (iii) फूल
   V. (ii) पलाश
   VI. (iii) वसंत ऋतु में
   VII. (i) ठूँठ
   VIII. (i) पलाश
   IX. (iv) शिरीष को
   X. (iii) लहर

   OR

   क) 1 अफवाहों के दौर में शांत रहना |

   ख) 2 दंगे |

   ग) 2 गलत बातों का प्रचार - प्रसार |

   घ) 1 जब गलत प्रचार होता है |

   ड) 2 जन की हानि से बचने के लिए |

   च) 3 नीति और सच्चाई का |

   छ) 1 मनुष्य की भलाई को सोचने का |

   ज) 3 सच्चाई और भद्रता पर |

   झ) 2 द्वंद्व समास |

   ञ) अन्याय का प्रतिकार |

2. क) ii. सुन्दरता के आकर्षण में |

   ख) iii. वन - तालाब और सुंदर दृश्य |

   ग) iii.3 जीवन की कठोर साधना को |

   घ) ii. रूपक |

   ड) iii. पहले - पहल काम न बनना |

   OR

   01. (ख) नौका विहार का

   02. (क) गंगा को

   03. (ख) छरहरी

   04. (ग) द्वीप को

   05. (घ) उपमा

3. कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।

   a. (c) सभी
      Explanation: किसी घटना, विचार और समस्या के समाचार बनने की संभावना तब बढ़ जाती है, जब उनमें निम्नलिखित में से कुछ या सभी तत्व शामिल हों - तथ्यात्मकता, नवीनता, जनरुचि, सामयिकता, निकटता, प्रभाव, पाठक वर्ग, नीतिगत ढांचा, अनोखापन, उपयोगी जानकारियां।
   b. (d) उल्टा पिरामिड
      Explanation: उल्टा पिरामिड
   c. (d) ड्राई एंकर
      Explanation: ड्राई एंकर वह है जो समाचार के चित्र नहीं आने तक दर्शकों को रिपोर्टर से मिली जानकारी के आधार पर घटना से संबंधित सूचना देता है।
   d. (b) अर्थ और खेल
      Explanation: धन और खेल हर एक के प्रिय विषय होने से सर्वाधिक पढ़े जाते हैं।
   e. (a) 50-55%
      Explanation: भारत में हर साल लगभग 50-55 % इंटरनेट कनेक्शनों की संख्या बढ रही है। इसका कारण इंटरनेट का विस्तृत क्षेत्र है।

4. I. (ii) पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार
   II. (iv) सहजता
   III. (iii) हँसी की खिलखिलाहट
   IV. (i) रुबाई
   V. (iii) बच्चे को
5. I. (iv) कपट के बढ़ने से सद्भाव का घटना
   II. (i) जरूरतमंद व्यक्ति
   III. (i) क्रयशक्ति
   IV. (i) बाजारूपन का बढ़ना
   V. (iv) गर्व से युक्त होकर फिजूलखर्च करने पर

6. निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:

   a. (a) सेक्शन ऑफिसर
      Explanation: पाठ के अनुसार यशोधर पंत होम मिनिस्ट्री में कार्यरत थे। अपने कार्यालय में वे सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्य करते थे।
   b. (a) चड्ढा
      Explanation: यशोधर पंत के ऑफिस में चड्ढा नया आया था, वह सीधे असिस्टेंट ग्रेड में आ गया था। उसकी हरकतें पंत जी को कहीं से भी अच्छी नहीं लगती थी।
   c. (b) गुड़
      Explanation: कोल्हू में ईख के रस से गुड तैयार किया जाता था। फिर उस गुड़ को बाजार में बेच दिया जाता था।
   d. (d) गलत
      Explanation: लेखक के पिता खेलना और सिनेमा देखने जैसी आदतों को गलत मानते हैं। इसी कारण से उन्होंने लेखक की पढ़ाई भी छुड़ा दी थी।
   e. (c) ताम्र काल
      Explanation: मुअनजो-दड़ो जिसे अब मोहनजोदड़ो के नाम से जाना जाता है, वह ताम्र काल का है। ताम्र काल के शहरों में मोहनजोदड़ो सबसे बड़ा और उत्कृष्ट शहर माना गया है।
   f. (b) बौद्ध स्तूप
      Explanation: मोहनजोदड़ो के सबसे ऊँचे चबूतरे पर बौद्ध स्तूप है, जो मोहनजोदड़ो की सभ्यता के समाप्त हो जाने के बाद बनाया गया था।
   g. (d) पुरातत्व
      Explanation: सिंधु घाटी सभ्यता की खुदाई और उनसे प्राप्त तमाम वस्तुओं से भारत को दुनिया की प्राचीन सभ्यता होने का पुरातत्व का वैज्ञानिक आधार मिल गया।
   h. (d) ए० एस० एस०

Explanation: पाठ के अनुसार लेखिका के पिता को ए० एस० एस० से बुलावा आया था। इस बुलावे से परिवार के सभी लोग चिंतित थे।

i. (b) मार्गोट का बुलावा

Explanation: पाठ के अनुसार लेखिका के लिए दूसरा सदमा उसकी बहन मार्गोट का अचानक सुरक्षित स्थान पर अकेले चले जाना था।

j. (b) ऐन फ्रैंक

Explanation: प्रस्तुत कथन पाठ की लेखिका ऐन फ्रैंक का है। उनके अनुसार स्मृतियों का महत्व किसी भी चीज से ऊपर है।

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लिखिये:

a. **मोबाइल फोन बिना सब सूना**

संचार के क्षेत्र में क्रांति लाने में विज्ञान-प्रदत्त कई उपकरणों का हाथ है, पर मोबाइल फोन की भूमिका सर्वाधिक है। मोबाइल फोन जिस तेजी से लोगों की पसंद बनकर उभरा है, उतनी तेजी से कोई अन्य संचार साधन नहीं। आज इसे अमीर-गरीब, युवा-प्रौढ़ हर एक की जेब में देखा जा सकता है। इसके प्रभाव से शायद ही कोई बचा हो। कभी विलासिता का साधन समझा जाने वाला मोबाइल फोन आज हर व्यक्ति की जरूरत बन गया है।

मोबाइल की ही देन है कि एक कॉल पर राज मिस्त्री, प्लंबर, कारपेंटर आदि उपस्थित हो जाते हैं। विद्यार्थी पुस्तकों का पीडिएफ या उपयोगी लेक्चर डाउनलोड करके समयानुसार पढ़ते-सुनते रहते हैं। इसमें लगे कैल्कुलेटर, कैलेंडर भी बड़े उपयोगी हैं, जिनका उपयोग समय-समय पर किया जा सकता है। साथ-साथ विशेष रूप से महिलाएँ एवं बुजुर्ग मोबाइल के साथ अपने को सुरक्षित महसूस करते हैं; क्योंकि कोई भी परेशानी आने पर वे तत्काल अपने परिजनों से संपर्क कर सकते हैं।

जहाँ एक ओर इसका उपयोग जरूरी है, तो दूसरी तरफ इसके उपयोग से कई नुकसान भी हैं।और ऐसा कहना अनुचित नहीं है कि हम आज के दौर में मोबाइल फोन के गुलाम बन कर रह गए हैं। विद्यार्थीगण पढ़ने की बजाय फोन पर गाने सुनने, अश्लील फ़िल्में देखने, अनावश्यक बातें करने में व्यस्त रहते हैं। इससे उनकी पढ़ाई का स्तर गिर रहा है। मोबाइल फोन पर बातें करना हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इस पर ज्यादा बातें करना बहरेपन को न्यौता देना है। आतंकवादियों के हाथों इसका उपयोग गलत उद्देश्य के लिए किया जाता है। मोबाइल फोन नि:संदेह अत्यंत उपयोगी उपकरण और विज्ञान का चमत्कार है। इसका सदुपयोग और दुरुपयोग मनुष्य के हाथ में है।

b. **बेरोजगारी का दानव**

यहाँ जो समस्याएँ दिन दूनी रात चौगुनी गति से बढ़ी हैं, इनमें जनसंख्या-वृद्धि, महँगाई, बेरोजगारी आदि मुख्य हैं। इनमें से बेरोजगारी की समस्या ऐसी है जो देश के विकास में बाधक होने के साथ ही अनेक समस्याओं की जड़ बन

गई है। किसी व्यक्ति के साथ बेरोजगारी की स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब उसे उसकी योग्यता, क्षमता और कार्य-कुशलता के अनुरूप काम नहीं मिलता, जबकि वह काम करने के लिए तैयार रहता है।बेरोजगारी एक ऐसी समस्या है जो कई सारी कठिनाइयों और समस्याओं को अपने साथ लेकर आती है।

बेरोजगारी की समस्या शहर और गाँव दोनों ही जगहों पर पाई जाती है। नवीनतम आँकड़ों से पता चला है कि इस समय हमारे देश में ढाई करोड़ बेरोजगार हैं। इस संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। यद्यपि सरकार और उद्यमियों द्वारा इसे कम करने का प्रयास किया जाता है, पर यह प्रयास ऊँट के मुँह में जीरा साबित होता है। हमारे देश में विविध रूपों में बेरोज़गारी पाई जाती है। पहले वर्ग में वे बेरोजगार आते हैं जो पढ़-लिखकर शिक्षित और उच्च शिक्षित हैं। यह वर्ग मज़दूरी नहीं करना चाहता , क्योंकि ऐसा करने में उसकी शिक्षा आड़े आती है।एक वर्ग उन बेरोजगारों का भी है जो ना तो अधिक पढ़े-लिखे हैं और ना ही अधिक मजदूरी कर सकते हैं। और एक वर्ग वे भी हैं जो मजदूरी करना चाहते हैं, पर वे भी हर दिन अपने लिए रोजगार नहीं ढूँढ पाते हैं।

स्कूली पाट्यक्रमों में श्रम की महिमा संबधी पाठ शामिल किया जाना चाहिए ताकि युवावर्ग श्रम के प्रति अच्छी सोच पैदा कर सके। इसके अलावा एक बार पुनः लघु एवं कुटीर उद्योग की स्थापना एवं उनके विकास के लिए उचित वातावरण बनाने को आवश्यकता है। किसानों को खाली समय में दुग्ध उत्पादन, मधुमक्खी पालन, जैसे कार्यों के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इस काम में सरकार के अलावा धनी लोगों को भी आगे आना चाहिए ताकि भारत बेरोजगार मुक्त बन सके और प्रगति के पथ पर चलते हुए विकास की नई ऊँचाइयाँ छू सके।

c. **सत्संगति**

सत्संगति शब्द 'संगति' में 'सत्' उपसर्ग लगाने से बना है, जिसका अर्थ है-अच्छे लोगों की संगति। यहाँ अच्छे लोगों से तात्पर्य श्रेष्ठ, सदाचारी और विद्वतजनों से है जो लोगों को कुमार्ग त्यागकर सन्मार्ग पर चलने और श्रेष्ठ आचरण की सीख देते हैं। ऐसे लोगों के संपर्क में आने से व्यक्ति के दुर्गुणों का नाश होता जाता है और उसमें अच्छे गुणों का उदय होने लगता है।

आजीवन लूटमार करने वाले वाल्मीकि क्रूर और हिंसक डाकू के रूप में जाने जाते थे, किंतु साधु-महापुरुषों की संगति पाकर वे साधु ही नहीं बने, बल्कि उच्च कोटि के विद्वान बने और संस्कृत भाषा में भगवान राम की पावन गाथा का गुणगान 'रामायण' के रूप में करके विश्व प्रसिद्ध हो गए।ऐसे अनेक प्रकार के उदाहरण हमारे देश के इतिहास में हैं, जिससे ये साबित होता है कि अच्छी संगति आदमी को किस ऊँचाई तक ले जा सकती है।

इसी प्रकार पुष्पों की संगति पाकर हवा सुवासित हो जाती है और लोगों का मन अपनी ओर खींच लेती है। निष्कर्षत: सत्संगति व्यक्ति में अनेक मानवीय गुणों का उदय करती है। इससे व्यक्ति में त्याग, परोपकार, साहस, निष्ठा, ईमानदारी जैसे मूल्यों का उदय होता है। सत्संगति से व्यक्ति विवेकी बनता है, जिससे उसका जीवन सुगम बन जाता है। अत: मनुष्य को चाहिए कि ऐसी लाभदायिनी सत्संगति को छोड़कर भूलकर भी कुसंगति की ओर कदम न बढ़ाए। सत्संगति ही व्यक्ति की भलाई कर सकती है, कुसंगति नहीं। अत: हमें सदैव सत्संगति ही करनी चाहिए,और यही एक मनुष्य की पहचान भी है।

8. परीक्षा भवन

नई दिल्ली

दिनांक: 22 नवंबर 2019

प्रबंधक महोदय

ओडिशा पर्यटन विकास निगम

भुवनेश्वर।

विषय- ओडिशा के पर्यटन स्थलों की जानकारी के संबंध में।

महोदय,

मैं इस ग्रीष्मावकाश में अपने परिवार के साथ भुवनेश्वर, पुरी आदि दर्शनीय स्थानों की यात्रा करना चाहता हूँ। मुझे इस क्षेत्र की परिवहन व्यवस्था, आवास-सुविधा तथा सभी दर्शनीय स्थलों की जानकारी नहीं है। यदि मुझे आपके विभाग द्वारा प्रकाशित दर्शनीय स्थलों की जानकारी, परिवहन सुविधा, गाइड आदि संबंधी पुस्तिका उपलब्ध करा दी जाए तो भ्रमण के दौरान होने वाली परेशानियों से मुक्ति पाई जा सकती है। अगर ये जानकारियाँ हमारे पास रहेंगी तो भ्रमण में और अधिक सुविधा होगी।

आपसे अनुरोध है कि मुझे ओडिशा के प्रमुख दर्शनीय स्थलों के रोड मैप, उपयुक्त होटल, धर्मशाला तथा खान-पान के संबंध में जानकारी देने की कृपा करें। इसके अलावा अगर और भी कुछ महत्वपूर्ण हो, तो उसके बारे में भी मुझे जानकारी दी जाए। इसके लिए मैं निर्धारित शुल्क भी प्रेषित कर रहा हूँ।

धन्यवाद

भवदीय

गोविन्द चौहान

OR

परीक्षा भवन

नई दिल्ली

दिनाक: 22 नवंबर 2019

संपादक महोदय

दैनिक हिंदुस्तान

नई दिल्ली

विषय- नया डाकघर खोलन के संबंध में।

महोदय,

मैं आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र के माध्यम से अपने क्षेत्र में डाकघर न होने की बात अधिकारियों तक पहुँचाना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र विलास नगर में कोई डाकघर नहीं है। आज के जमाने में डाकघर की बेहद आवश्यकता है। अभी के दौर में शायद ही कोई शहर या गाँव हो, जहाँ डाकघर की सुविधा नहीं हो। डाकघर से लोगों की अनेक समस्याओं का समाधान हो जाता है। लोगों को मनी-ऑर्डर भेजना होता है, विद्यार्थियों तथा युवाओं को तरह-तरह के पत्र भेजने पड़ते हैं। इसके अलावा गरीब

व मध्य वर्ग के लोग अपनी छोटी-छोटी बचत को यहाँ जमा करवा सकते हैं। डाकसामग्री की उपलब्धता न होने से लोगों को उसके लिए काफी दूर तक जाना पड़ता है। अतः मेरा आपसे अनुरोध है आप इसे 'पाठकों के पत्र' नामक स्तंभ में प्रकाशित करके हमारी माँग को संबंधित विभाग तक पहुँचाने का कष्ट करें, ताकि संबंधित अधिकारियों का ध्यान इस तरफ आकृष्ट हो और वे नया डाकघर खोलें।

भवदीय

गोविन्द झा

9. निम्नलिखित में से 2 प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

a. **कहानी का नाट्य रूपांतर करते समय इन महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना चाहिये-**

   i. कहानी एक ही जगह पर स्थित होनी चाहिये।
   ii. कहानी में संवाद नहीं होते और नाट्य संवाद के आधार पर आगे बढता है। इसलिये कहानी मे संवाद का समावेश करना जरूरी है।
   iii. कहानी का नाट्य रूपांतर करने से पहले उसका कथानक बनाना बहुत जरूरी है।
   iv. नाट्य मे हर एक पत्र का विकास, कहानी जैसे आगे बढती है, वैसे होता है इसलिये कहानी का नाट्य रूपांतर करते वक्त पात्र का विवरण करना बहुत जरूरी होता है।
   v. एक व्यक्ति कहानी लिख सकता है, पर जब नाट्य रूपांतर कि बात आती है, तो हर एक समूह या टीम कि जरूरत होती है।

b. कविता भाषा में होती है इसलिए भाषा का सम्यक ज्ञान जरूरी है भाषा सब्दो से बनती है शब्दों का एक विन्यास होता है जिसे वाक्य कहा जाता है भाषा प्रचलित एवं सहज हो पर संरचना ऐसी कि पाठक को नई लगे कविता में संकेतो का बड़ा महत्व होता है इसलिए चिह्नों (, !,।) यहाँ तक कि दो पंक्तियों के बीचका खाली स्थान भी कुछ कह रहा होता है वाक्य-गठन की जो विशिष्ट प्रणालियाँ होती हैं, उन्हें शैली कहा जाता है इसलिए विभिन्न काव्य-शैलियों का ज्ञान भी जरुरी है। शब्दों का चयन, उसका गठन और भावानुसार लयात्मक अनुशासन वे तत्व हैं जो जीवन के अनुशासन की लिए जरुरी हैं।

c. देशकाल, स्थान और परिवेश के बाद कथानक के पत्रों पर विचार करना चाहिए। हर पात्र का अपना स्वरूप, स्वभाव और उद्देश्य होता है। कहानी में वह विकसित भी होता है या अपना स्वरूप भी बदलता है। कहानीकार के सामने पत्रों का स्वरूप जितकारण पत्नारों का अध्ययन कहानी की एक बहुत महत्त्वपूर्ण और बुनियादी शर्त है। इसके स्पष्ट होगा उतनी ही आसानी उसे पत्रों का चरित्र-चित्रण करने और उसके संवाद लिखने में होगी। इसके अंतगर्त पात्रो के अंत संबंध पर भी विचार किया जाना चाहिए। कौन-से पात्र की किस किस परिस्थिति में क्या प्रतिक्रिया होगी, यह भी कहानीकार को पता होना चाहिए।

d. आकार की लघुता, संवेदना की एकता, सत्य का आधार या कल्पना, रोचकता, मनोवैज्ञानिकता और सक्रियता, पत्रों की न्यूनता, स्म्क्लन्त्र्य (स्थान, काल और पात्र), जीवन की घटना अथवा स्थिति विशेष का मार्मिक चित्रण,

यथार्थ्यता, परिस्थिति की सरलता, उद्देश्य की स्पष्टता आदि कहानी की विशेषताएँ हैं। इन विशेषताओं के आधार पर कहानी के छह तत्व निर्धारित किए गए हैं - कथानक या कथावस्तु, पात्र तथा चरित्र- चित्रण, कथोपकथन, देश-काल-वातावरण, भाषा-शैली और उद्देश्य।

10. निम्नलिखित में से 2 प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

a. विषय विशेषज्ञ वे होते हैं जो रक्षा, विज्ञान, विदेश नीति जैसे विषयों पर लिखते रहे हों, उनके पास वर्षों का अनुभव हो, विश्लेषण करने की क्षमता हो, उनकी भाषा -शैली सामान्य पत्रकारों की तरह न होकर जानकारी प्रदान करने में पाठकों, श्रोताओं, दर्शकों के लिए रुचिकर और फायदेमंद हो। उदाहरण के लिए खेलों में हर्ष भोगले, नरोत्तम पुरी का नाम उल्लेखनीय है।

b. इंटरनेट पर विभिन खबरों का आदान-प्रदान और अलग-अलग अखबारों का प्रकाशन ही इंटरनेट पत्रकारिता कहलाता है । इंटरनेट पत्रकारिता का आरंभ 1982 के आस-पास से हुआ है । भारत में इंटरनेट पत्रकारिता की शुरुआत लगभग 1993 से हुई । आज के समय में तमाम अखबार और पत्रिकायें हैं, जिन्हें हम इंटरनेट से आसानी से पा सकते हैं ।

c. समाचार का अंग्रेजी पर्याय (NEWS) चारो दिशाओं को सांकेतिक करता है। अपने आस-पास के समाज एवं देश-दुनिया की घटनाओं के विषय मे त्वरित एवं नवीन जानकारी, जो पक्षपात रहित एवं सत्य हो, समाचार कहलाता है।

d. लोकतंत्र का चौथाखंभा मीडिया को कहा जाता है क्योंकि मीडिया का कार्य जनता को जागरूक करके उसकी आवाज बनना है

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

a. यह शीर्षक कैमरे में बंद यानी कैमरे के सामने लाचार व बेबस अपाहिज के मनोदशा का सार्थक प्रतिनिधित्व करता है। वस्तुतः यह दूरदर्शन के कार्यक्रम संचालकों की मानसिकता पर व्यंग्य है। कार्यक्रम बनाने वाले अपने लाभ के लिए अपाहिज को भी प्रदर्शन की वस्तु बना देते हैं। वे दूसरे की पीड़ा बेचकर धन कमाते हैं। अतः यह शीर्षक सर्वथा उपयुक्त है।

b. सूर्योदय से पूर्व उषा का दृश्य अत्यंत आकर्षक होता है। भोर के समय सूर्य के किरणें जादू के समान -लगती हैं। इस समय आकाश का सौंदर्य क्षण-क्षण में परिवर्तित होता रहता है। यह उषा का जादू है। नीले आकाश का शंख-सा पवित्र होना, काली सिल पर केसर डालकर धोना, काली स्लेट पर लाल खड़िया मल देना, नीले जल में गोरी नायिका का झिलमिलाता प्रतिबिंब आदि दृश्य उषा के जादू के समान लगते हैं। सूर्योदय होने के साथ ही ये दृश्य समाप्त हो जाते हैं।

c. कुंभकरण के पूछने पर रावण ने उसे अपनी व्याकुलता के बारे में विस्तारपूर्वक बताया कि किस तरह उसने सीता का हरण किया। फिर उसने बताया कि वानरो ने सब राक्षस मार डाले हैं और सभी महान योद्धाओं का संहार कर दिया

है। उसकी ऐसी बाते सुनकर कुंभकरण बिलखने लगा और बोला कि अरे मुर्ख! जगत-जननी जानकी को चुराकर अब तू कल्याण चाहता है? यह संभव नहीं है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

a. मुक्तिबोध की यह कविता अपनी सुख-दु:ख की अनुभूतियों, गरबीली गरीबी, विचारों की गंभीरता, व्यक्तिगत दृढ़ता, जीवन के खट्टे-मीठे अनुभव, प्रेमिका का प्रेम व नूतन भावनाओं के वैभव को सहर्ष स्वीकार करने की प्रेरणा देती है। इससे व्यक्ति का जीवन सहज होता है। वह स्वयं को प्रिय से जुड़ा हुआ तथा स्वयं को समर्पित पाता है।

b. फिराक की रुबाइयों में ग्रामीण अंचल के घरेलू रूप का स्वाभाविक चित्रण मिलता है। माँ अपने शिशु को आँगन में लिए खड़ी है। वह उसे झुलाती है। बच्चे को नहलाने का दृश्य दिल को छूने वाला है। दीवाली व रक्षाबंधन पर जिस माहौल को चित्रित किया गया है। वह आम जीवन से जुड़ा हुआ है। बच्चे का किसी वस्तु के लिए जिद करना तथा उसे किसी तरह बहलाने के दृश्य सभी परिवारों में पाए जाते हैं।

c. लक्ष्मण शक्तिबाण लगने से मूर्च्छित हो गए थे और यह देखकर राम भावुक हो गए तथा सोचने लगे कि पत्नी के बाद अब भाई को भी खोने जा रहे हैं। केवल एक स्त्री के कारण उनका भाई आज मृत्यु की गोद में जा रहा है। यदि स्त्री खो जाए तो कोई बड़ी हानि नहीं होगी क्योंकि जीवन में एक स्त्री के जाने से उसका स्थान कोई और ले सकता है, वे नारी की तुलना में छोटे भाई की क्षति को ज्यादा बड़ा मानते हैं।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

a. भक्तिन झूँसी गाँव के एक प्रसिद्ध गोपालक की इकलौती सन्तान थी। बचपन में ही उसकी माता का देहांत हो गया था। फलतः भक्तिन की देखभाल विमाता ने किया। उसकी सौतेली माँ उससे ईर्ष्या रखती थी लेकिन पिता का उस पर अगाध स्नेह था। पांच वर्ष की आयु में ही उसका विवाह कर दिया गया और नौ वर्ष की आयु में ही उसका गौना हो गया। सौतेली माँ ने ईर्ष्या के कारण पिता की बीमारी का समाचार तब तक नहीं भेजा जब तक बीमारी से उसके पिता की मृत्यु नहीं हो गई ।

b. गुड़धानी अनाज और गुड़ के मिश्रण को कहते हैं। यहाँ पर गुड़धानी से तात्पर्य अच्छी फसल से है। हमारी अर्थव्यस्था कृषि पर आधारित है, और कृषि वर्षा पर निर्भर होती है, अच्छी वर्षा से फसल भी अच्छी होगी इसलिए पानी के साथ गुड़धानी की माँग की जा रही है। यहाँ गुड़धानी प्रसन्नता और खुशहाली का प्रतीक भी है।

c. **जाति और श्रम विभाजन में बुनियादी अंतर यह है कि-**

i. जाति, श्रम विभाजन के साथ-साथ श्रमिकों का भी अस्वाभाविक विभाजन करती है।
ii. सभ्य समाज में श्रम विभाजन आवश्यक है परंतु श्रमिकों का ऊंच नीच वर्गों में विभाजन आवश्यक नहीं है।
iii. जाति प्रथा में श्रम-विभाजन या पेशा चुनने की छूट नहीं होती जबकि श्रम विभाजन में ऐसी छूट हो सकती है।
iv. जाति प्रथा विपरीत परिस्थितियों में भी रोजगार बदलने का अवसर नहीं देती है जबकि श्रम विभाजन में व्यक्ति

ऐसा कर सकता है।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

a. पैसे की पावर का रस फिजूल की वस्तुएँ खरीदने, माल असबाब, मकान-कोठी आदि के द्वारा लिया जाता है। यदि पैसा खर्च न भी किया जाए तो अधिक धन पास रहने से भी गर्व का अनुभव किया जा सकता है।

b. गाँव में महामारी और सूखे के कारण जैसा निराशाजनक माहौल तथा मृत्यु का सन्नाटा छाया हुआ था। उसी प्रकार का सन्नाटा पहलवान के मन में अपने बेटों की मृत्यु के कारण छाया था। ऐसे दुःख के समय में पहलवान की ढोलक निराश गाँव वालों के मन में जीने की उमंग जगाती थी। ढोल के जोश युक्त स्वर जैसे उन्हें महामारी से लड़ने की और कभी न हारने की प्रेरणा देती थी। गाँव में महामारी फैलने और अपने बेटों का देहांत होने के बावजूद लुट्टन पहलवान महामारी को चुनौती देने, अपने बेटों की असामयिक मृत्यु का दुःख कम करने और गाँव वालों को महामारी से लड़ने की प्रेरणा देने के लिए ढोल बजाता रहा।

c. जब सफ़िया अमृतसर पुल पर चढ़ रही थी तो उनकी देशभक्ति की भावना से प्रभावित होकर कस्टम ऑफिसर निचली सीढ़ी के पास सिर झुकाए चुपचाप खड़े थे । उन्हें महसूस हो रहा था कि आप कहीं भी क्यों न चले जाएँ अपना वतन याद आ ही जाता है और इस समय सिख बीबी का प्रसंग छिड़ने पर ऑफिसर को भी उसके वतन ढाका की याद आ गई थी। आज उनकी मन:स्थिति सिख बीबी की तरह ही है, वतन याद आते ही वे द्रवित हो उठते है।